Rashtriyasahara,New Delhi,22-05-2011

यूनिवर्सिटीज को अब 2 करोड़

राकेश नाथ/एसएनबी

नई दिल्ली । देशभर के विश्वविद्यालय अब अपने शैक्षणिक और ढांचागत स्वरूप को और अधिक मजबूत बना सकेंगे। दरअसल, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने विश्वविद्यालयों को दी जाने वाली आर्थिक अनुदान राशि दोगुनी कर दी है। अब तक विश्वविद्यालयों को आर्थिक अनुदान के तौर पर केवल एक करोड़ रुपये सालाना मिलता था। लेकिन अब विश्वविद्यालयों को दो करोड़ रुपये सालाना मिलेंगे। लेकिन इस अतिरिक्त धनराशि को हासिल करने के लिए विश्वविद्यालयों को पहले दिये गये खर्च का ब्योरा देना होगा।

▶ यूजीसी ने आर्थिक सहायता पैकेज डबल किया

गौरतलब है कि यूजीसी द्वारा देश के कुल 131 विश्वविद्यालयों और 6 हजार कॉलेजों को आर्थिक अनुदान के तौर पर धनराशि दी जाती है। इस अनुदान के तहत विश्वविद्यालयों में विकास कार्य और अन्य शैक्षणिक कार्य पूरे किये जाते हैं। यह अनुदान यूजीसी के एक्ट की धारा 12 बी के तहत आने वाले विश्वविद्यालयों और कॉलेजों को दी जाती है। अभी तक विश्वविद्यालयों को एक करोड़ रुपये आर्थिक अनुदान के तौर पर दिया जाता था। लेकिन अब यूजीसी ने इस अनुदान राशि को और अधिक बढ़ाने का फैसला किया है। यानी जिन विश्वविद्यालयों को एक करोड़ रुपये मिल चुका है, वे भी शैक्षणिक सत्र 2011-12 के लिए एक करोड़ रुपये और ले सकते हैं। यूजीसी ने देशभर के विश्वविद्यालयों के रजिस्ट्रारों को पत्र लिखकर अतिरिक्त धनराशि लेने के नये प्रावधान की जानकारी दे दी है। विश्वविद्यालयों को कहा गया है कि जिन विशविद्यालयों ने अभी तक यूजीसी से आर्थिक अनुदान नहीं लिया है वे दो करोड़ रुपये की सहायता लेने के लिए अपने प्रस्ताव यूजीसी को भेज सकते हैं। साथ ही यह भी कहा गया है कि जिन विश्वविद्यालयों ने आर्थिक अनुदान के तौर पर एक करोड़ रुपये ले लिये हैं, उन्हें अब बाकी के एक करोड़ रुपये के लिए अपना प्रस्ताव देना होगा।